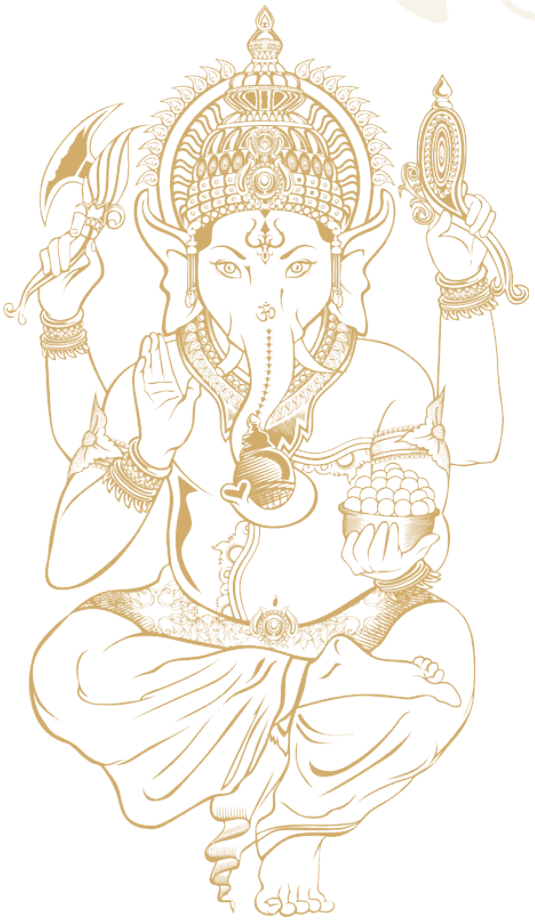

N

30 May 2019

04:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121744006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/05/2019**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**16:50:00 घंटे**
इष्ट	28:34:05 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:28:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:31 घंटे
साम्पातिक काल	08:59:37 घंटे
सूर्योदय	05:24:22 घंटे
सूर्यास्त	19:13:07 घंटे
दिनमान	13:48:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:39:20 वृष
लग्न के अंश	15:01:15 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:01:15	309:17:58	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			वृष	14:39:20	00:57:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	26:45:00	12:29:46	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल			मिथु	15:06:50	00:38:32	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
बुध			वृष	25:19:21	02:03:49	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	26:45:35	00:07:18	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	24:11:31	01:13:01	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि	व		धनु	25:40:18	00:02:45	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु	व		मिथु	24:13:14	00:05:42	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	24:13:14	00:05:42	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मेष	10:27:45	00:02:59	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:28:05	00:00:43	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:44:01	00:00:57	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	18:18:47	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:24

लग्न-चलित

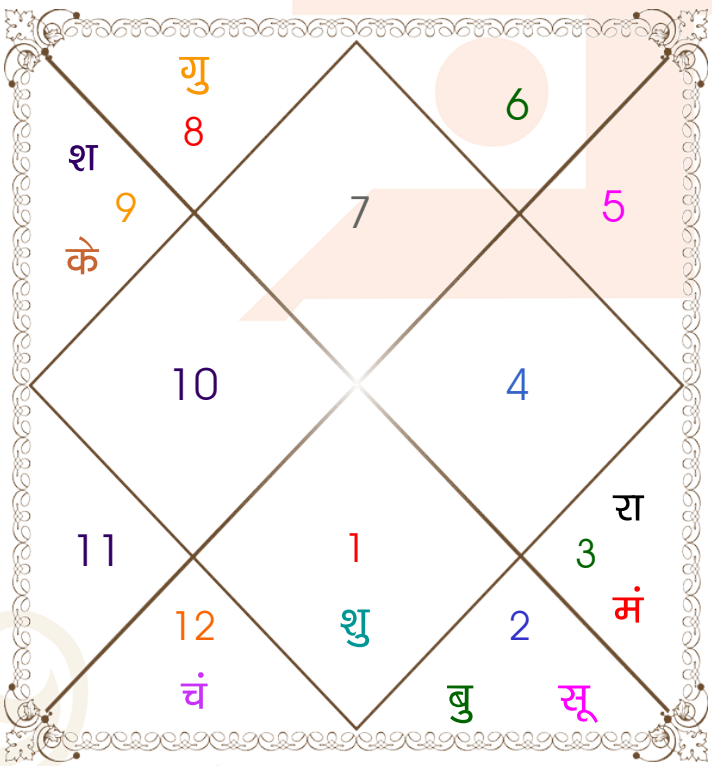

चन्द्र कुंडली

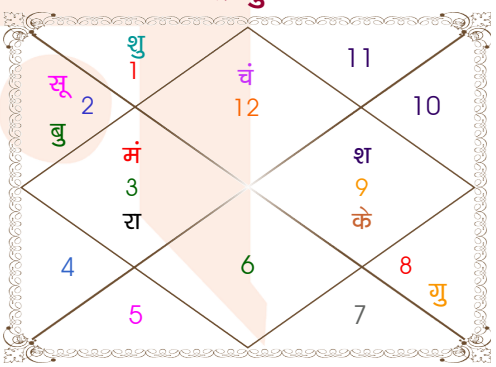

नवमांश कुंडली

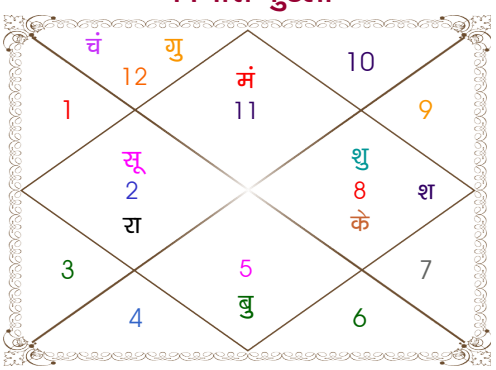

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 1 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/05/2019		22/07/2023		21/07/2030		21/07/2050		21/07/2056	
22/07/2023		21/07/2030		21/07/2050		21/07/2056		21/07/2066	
	00/00/0000	केतु	18/12/2023	शुक्र	20/11/2033	सूर्य	08/11/2050	चंद्र	21/05/2057
	00/00/0000	शुक्र	16/02/2025	सूर्य	20/11/2034	चंद्र	10/05/2051	मंगल	20/12/2057
	00/00/0000	सूर्य	24/06/2025	चंद्र	21/07/2036	मंगल	14/09/2051	राहु	21/06/2059
	00/00/0000	चंद्र	23/01/2026	मंगल	20/09/2037	राहु	08/08/2052	गुरु	20/10/2060
	00/00/0000	मंगल	21/06/2026	राहु	20/09/2040	गुरु	27/05/2053	शनि	22/05/2062
	00/00/0000	राहु	09/07/2027	गुरु	22/05/2043	शनि	09/05/2054	बुध	21/10/2063
	30/05/2019	गुरु	14/06/2028	शनि	21/07/2046	बुध	16/03/2055	केतु	21/05/2064
गुरु	11/11/2020	शनि	24/07/2029	बुध	21/05/2049	केतु	22/07/2055	शुक्र	20/01/2066
शनि	22/07/2023	बुध	21/07/2030	केतु	21/07/2050	शुक्र	21/07/2056	सूर्य	21/07/2066

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/07/2066		21/07/2073		22/07/2091		23/07/2107		22/07/2126	
21/07/2073		22/07/2091		23/07/2107		22/07/2126		00/00/0000	
मंगल	18/12/2066	राहु	02/04/2076	गुरु	08/09/2093	शनि	25/07/2110	बुध	18/12/2128
राहु	05/01/2068	गुरु	27/08/2078	शनि	21/03/2096	बुध	04/04/2113	केतु	15/12/2129
गुरु	11/12/2068	शनि	03/07/2081	बुध	27/06/2098	केतु	13/05/2114	शुक्र	15/10/2132
शनि	20/01/2070	बुध	20/01/2084	केतु	03/06/2099	शुक्र	13/07/2117	सूर्य	22/08/2133
बुध	17/01/2071	केतु	07/02/2085	शुक्र	02/02/2102	सूर्य	25/06/2118	चंद्र	21/01/2135
केतु	15/06/2071	शुक्र	08/02/2088	सूर्य	21/11/2102	चंद्र	24/01/2120	मंगल	18/01/2136
शुक्र	14/08/2072	सूर्य	01/01/2089	चंद्र	22/03/2104	मंगल	04/03/2121	राहु	07/08/2138
सूर्य	20/12/2072	चंद्र	03/07/2090	मंगल	26/02/2105	राहु	09/01/2124	गुरु	31/05/2139
चंद्र	21/07/2073	मंगल	22/07/2091	राहु	23/07/2107	गुरु	22/07/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 1 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।